5 विदेशी सहायता

इस अनुबंध में बहुपक्षीय तथा द्विपक्षीय स्रोतों से मिली विदेशी सहायता के स्वरूप का संक्षिप्त विवरण दिया गया है। वर्ष 2023-2024 तथा 2024-2025 में, जो विदेशी सहायता मिली है, उसके मूलधन की वापसी-अदायगी तथा ब्याज की अदायगी के अनुमानों को नीचे दी गई सारणी में संक्षेप में दिखाया गया हैः-

(₹ करोड़ में)

	एजेंसी	वास्तविक 2022-2023	बजट अनुमान 2023-2024	संशोधित अनुमान 2023-2024	बजट अनुमान 2024-2025
1	विदेशी ऋण	93731.28	84942.12	92199.95	93353.81
2	घटाएं-राज्य परियोजनाओं हेतु विदेशी ऋण	16678.82	17168.60	19495.12	21491.12
3	**निवल विदेशी ऋण (1-2)**	**77052.46**	**67773.52**	**72704.83**	**71862.69**
4	नकद अनुदान	848.96	936.89	1217.18	1038.81
5	वस्तु अनुदान सहायता	1038.15	1198.42	224.69	5.00
6	**जोड़ (3+4+5)**	**78939.57**	**69908.83**	**74146.70**	**72906.50**
7	ऋणों की वापसी-अदायगी	39928.70	45656.00	47873.20	55910.40
8	**विदेशी ऋण (वापसी अदायगी को घटाकर) (6-7)**	**39010.87**	**24252.83**	**26273.50**	**16996.10**
9	विदेशी ऋणों पर ब्याज अदायगी	12667.37	12254.70	29911.00	32597.90
10	विदेशी सहायता (वापसी-अदायगी तथा ब्याज अदायगी को घटाकर) (8-9)	26343.50	11998.13	-3637.50	-15601.80

विभिन्न देशों और संगठनों द्वारा प्रदान की जा रही सहायता का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया हैः-

(क) बहुपक्षीय स्रोत

1. विश्व बैंक समूह

विश्व बैंक संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियों में से एक है। भारत विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए आईबीआरडी तथा आईडीए के माध्यम से विश्व बैंक से निधियां प्राप्त करता रहा है।

(क) अंतरराष्ट्रीय पुनर्निमाण तथा विकास बैंक (आईबीआरडी)

भारत 1949 से आईबीआरडी से सहायता प्राप्त कर रहा है। आईबीआरडी ऋण, हालांकि गैर रियायती हैं, वाणिज्यिक स्रोतों हेतु अपेक्षाकृत अनुकूल शर्तों पर दिया जाता है। आईबीआरडी सॉवरेन ऋणों को मुख्यतया अवसंरचना, गरीबी उन्मूलन, ग्रामीण विकास और मानव संसाधन विकास परियोजनाओं के लिए प्रयुक्त किया जाता है। आईबीआरडी का लक्ष्य ऋणों, गारंटियों और गैर ऋण सेवाओं के जरिए संधारणीय विकास को बढ़ावा देकर गरीबी कम करना है।

आईबीआरडी की सहायता के जरिए चल रही कुछ प्रमुख परियोजनाएं हैं- राष्ट्रीय गंगा नदी परियोजना, तमिलनाडु संधारणीय शहरी विकास परियोजना, क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम, उत्तर प्रदेश मुख्य सड़क नेटवर्क विकास परियोजना, गुजरात त्वरित ज्ञानार्जन के परिणाम (गोल) कार्यक्रम।

(ख) अंतरराष्ट्रीय विकास संघ (आईडीए)

आईडीए विश्व बैंक की रियायती शाखा है और बैंक के गरीबी कम करने के मिशन को सहायता देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। अब, भारत रियायती ऋणों के कार्यक्षेत्र से बाहर है। हमारे देश में निष्पादित की जा रही अधिकांश परियोजनाएं सामाजिक और शिक्षा क्षेत्र में हैं। वर्तमान में चल रही कुछ परियोजनाएं हैं- नेशनल साइक्लोन रिस्क मिटिगेशन, औद्योगिक मूल्य वर्द्धन प्रचालन हेतु कौशल सुदृढ़ीकरण आदि।

2. एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.)

एडीबी 1966 में स्थापित एक मुख्य क्षेत्रीय वित्तीय संस्था है और भारत एडीबी का संस्थापक सदस्य है। हमारे संसाधनों को विस्तृत करने के लिए 1986 में एडीबी से उधार लेना शुरु किया गया था।

एडीबी के प्रचालन विद्युत, परिवहन, शहरी क्षेत्रों, वित्तीय संस्थागत संधारणीय जीविकोपार्जन, कौशल विकास आदि तक फैल गए हैं। सरकारी खाते में एडीबी सहायता के माध्यम से चल रही कुछ बड़ी परियोजनाएं हैं विशाखापट्टनम-चेन्नै औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम, 'मध्य प्रदेश जिला सड़क II क्षेत्र परियोजना', कर्नाटक स्टेट हाइवेज इम्प्रूवमेंट III प्रोजेक्ट, मध्यप्रदेश इरिगेशन एफीसिएन्सी इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट, महाराष्ट्र ग्रामीण हाई वोल्टेज वितरण प्रणाली विस्तार कार्यक्रम और दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय तीव्र परिवहन प्रणाली निवेश परियोजना-1 आदि।

3. यूरोपीय निवेश बैंक (ईआईबी)

यूरोपीय निवेश बैंक (ईआईबी) पूंजी निवेश के लिए वित्त पोषण कराने के लिए रोम संधि के तहत 1958 में स्थापित किया गया था। ईआईबी की सहायता से चलाई जा रही कुछ मुख्य चालू परियोजनाएं हैंः बैंगलूरू मेट्रो रेल परियोजना-लाइन आर 6-ए, पुणे मेट्रो रेल परियोजना तथा भोपाल मेट्रो रेल परियोजना-ए।

4. न्यू डेवलेपमेंट बैंक (एनडीबी)

ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) ने शंघाई, चीन में न्यू डेवलेपमेंट बैंक की स्थापना की है। वर्तमान में, एनडीबी द्वारा बारह चालू परियोजनाओं को सहायता प्रदान की जा रही है।

एनडीबी सहायता से चल रही कुछ प्रमुख चालू परियोजनाएं हैं मध्य प्रदेश की मुख्य जिला सड़कों का विकास एवं उन्नयन, मध्यप्रदेश बहुग्राम ग्रामीण जलापूर्ति परियोजना, मध्य प्रदेश मुख्य जिला सड़क II परियोजना, असम पुल परियोजना और मणिपुर जलापूर्ति परियोजना, आदि।

5. एशिया इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी)

एशिया इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक एक बहुपक्षीय बैंक है जो मुख्यतः ऊर्जा, परिवहन एवं दूरसंचार, ग्रामीण अवसंरचना और कृषि विकास के लिए ऋण देता है। वर्तमान में, एआईआईबी द्वारा प्रदान की गई सहायता से क्रियान्वित की जा रही महत्वपूर्ण परियोजनाएं हैः- बेंगलुरू मेट्रो रेल परियोजना-लाइन आर 6, आंध्र प्रदेश ग्रामीण सड़क परियोजना और आंध्र प्रदेश शहरी जल आपूर्ति सेप्टेज प्रबंधन सुधार परियोजना, मुंबई शहरी परिवहन परियोजना 3, आदि।

6. अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास निधि (आईएफएडी)

अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास निधि की स्थापना संयुक्त राष्ट्र की 13वीं विशिष्ट एजेन्सी के रूप में 1977 में की गई थी। आईएफएडी ने 1979 से कृषि, ग्रामीण विकास, जनजातीय विकास, महिला सशक्तीकरण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और ग्रामीण वित्त व्यवस्था के क्षेत्रों में 32 सरकारी परियोजनाओं को सहायता दी है। इनमें पूर्वोत्तर-मिजोरम में जलवायु अनुकूल उच्च भूमि कृषि प्रणाली को प्रोत्साहित करना, पूर्वोत्तर-नागालैंड में जलवायु अनुकूल उच्च भूमि कृषि प्रणाली को प्रोत्साहित करना शामिल है।

वर्तमान में चल रही कुछ बड़ी परियोजनाएं हैः छत्तीसगढ़ समावेशी ग्रामीण और त्वरित कृषि वृद्धि परियोजना, एकीकृत आजीविका सहायता परियोजना, महाराष्ट्र ग्रामीण महिला उद्यम विकास परियोजना आदि।

7. वैश्विक निधि संगठन

यह वैश्विक निधि एड्स, तपेदिक और मलेरिया (जीएफएटीएम) से मुकाबला करने के लिए एक अन्तरराष्ट्रीय वित्तपोषण संगठन है जिसका उद्देश्य एचआईवी तथा एड्स, तपेदिक और मलेरिया से बचाव व उपचार हेतु अतिरिक्त संसाधन जुटाना और प्रदान करना है। इस संगठन ने जनवरी 2002 में कार्य करना शुरू किया था। भारत में जीएफएटीएम से सहायता प्राप्त कार्यक्रमों का क्रियान्वयन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

इस समय वैश्विक निधि की सहायता से निष्पादित की जा रही 3 परियोजनाएं हैं जो इस प्रकार हैं- वैश्विक निधि द्वारा सहायता प्राप्त एचआईवी एड्स नियंत्रण परियोजना, 'पहुंच बढ़ाना और व्यापक देखभाल बढ़ाना', 'सहायता और उपचार', 'गहन मलेरिया नियंत्रण परियोजना-3' और 'तपेदिक'।

(ख) द्विपक्षीय स्रोत

1. जापान

जापान 1958 से भारत को सरकारी विकास सहायता (ओडीए) प्रदान करता आ रहा है। भारत को जापान की ओर से सरकारी विकास सहायता, ऋण, सहायता अनुदान और तकनीकी सहायता के रूप में जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) द्वारा प्राप्त होती है। जापान भारत का सबसे बड़ा द्विपक्षीय दाता है। जेआईसीए परियोजनाएं परिवहन, विद्युत, सिंचाई, वन एवं पर्यावरण और स्वास्थ्य इत्यादि जैसे क्षेत्रों में फैली हैं।

जेआईसीए सहायता के माध्यम से चल रही कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाएं हैं- मुंबई अहमदाबाद उच्च गति रेल (एचएसआर) परियोजना, पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रोजेक्ट मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक परियोजना (एमटीएचएल), दिल्ली, बैंगलुरू, कोलकाता, चैन्नै, मुंबई और अहमदाबाद में मेट्रो प्रणाली, पूर्वोत्तर सड़क नेटवर्क कनेक्टिविटी सुधार परियोजना, आदि।

2. जर्मनी

जर्मनी संघीय गणराज्य 1958 से भारत को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है। जर्मनी द्वारा सहायता प्राप्त वित्तीय कार्यक्रमों का कार्यान्वयन केएफडब्ल्यू, जर्मनी सरकार के विकास बैंक के माध्यम से और तकनीकी सहायता कार्यक्रमों का जीआईजेड के जरिये किया जाता है। द्विपक्षीय विकास सहयोग के वर्तमान प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं-ऊर्जा, पर्यावरणीय नीति, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और संधारणीय उपयोग, संधारणीय आर्थिक विकास।

केएफडब्ल्यू की सहायता से चलने वाली कुछ प्रमुख परियोजनायें इस प्रकार हैं- गंगा बेसिन में पर्यावरण अनुकूल शहरी विकास कार्यक्रम, केरल में बाढ़ उपरांत जलवायु सहिष्णुता पुनर्निर्माण चरण-II, केरल में बाढ़ उपरांत जलवायु अनुकूल पुर्निर्माण चरण-I, मुम्बई महानगरीय क्षेत्र के लिए समेकित और हरित शहरी आवागमन, तमिलनाडु के प्रमुख शहरों में बस सेवाओं का जलवायु अनुकूल आधुनिकीकरण-IV, संधारणीय शहरी अवसंरचना विकास-चेन्नै तूफान-जल प्रबन्धन, आदि।

3. रूसी परिसंघ

भारत और रूसी संघ (पूर्ववर्ती यूएसएसआर) के बीच विकासात्मक सहयोग साठ के दशक के प्रारंभ में शुरू हुआ था। कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना की यूनिट 1 और 2 का निर्माण नवम्बर, 1988 में हस्ताक्षर किए गए अंतर-सरकारी करार (आईजीए) के तहत किया गया है, जिसे जून, 1998 में संपूरक करार के जरिए संशोधित किया गया था। यूनिट सं. 3 और 4 निर्माणाधीन हैं।

कुडनकुलम में अतिरिक्त नाभिकीय विद्युत संयंत्रों (यूनिट 5 और 6) के निर्माण के लिए जुलाई, 2017 में तारीख 5 दिसम्बर, 2008 के करार के प्रोटोकाल सं.2 पर हस्ताक्षर किए गए थे।

4. फ्रांस

फ्रांस सरकार भारत को 1968 से विकास सहायता प्रदान कर रही है। फ्रांसीसी विकास सहायता फ्रेंच एजेन्सी फॉर डेवलपमेंट (एएफडी) के माध्यम से प्रदान की जा रही है। भारत में एजेंसी फॉर डवलपमेंट द्वारा वित्तपोषण हेतु प्राथमिकता वाले क्षेत्र ऊर्जा दक्षता, नवीकरण ऊर्जा, शहरी अवसंरचना (सार्वजनिक परिवहन, जल) हैं।

एएफडी सहायता के माध्यम से चल रही कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाएं हैं- नागपुर मेट्रो के लिए ऋण सुविधा करार, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, पुणे मेट्रो रेल प्रोजेक्ट और सूरत मेट्रो आदि।

5. कोरिया गणतंत्र

अक्टूबर, 2016 में कोरिया गणतंत्र को विकास सहयोग के लिए द्विपक्षीय भागीदार के रूप में स्वीकार किया गया। भारत को औपचारिक विकास सहायता (ओडीए) प्रदान करने के लिए दो सरकारों के बीच दिनांक 14.06.2017 को एक ईडीसीएफ करार पर हस्ताक्षर किया गया।

आर्थिक विकास सहयोग निधि (ईडीसीएफ) के माध्यम से नागपुर-मुंबई सुपर कम्युनिकेशन एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए बेहतर परिवहन प्रणाली की स्थापना हेतु एक ऋण करार पर हस्ताक्षर किया गया है।